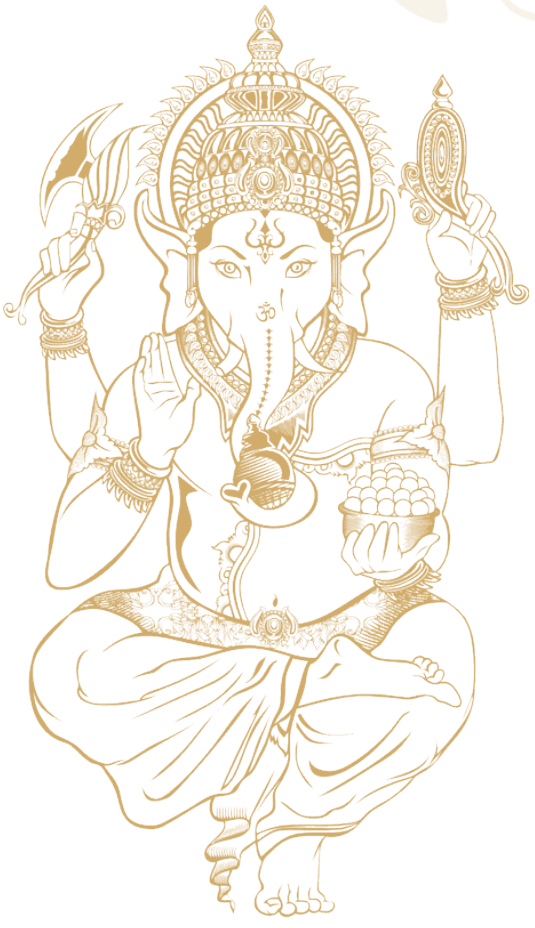

Sahil Chawala

Radhika Madaan

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121331701

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121331701 Date: 19/02/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
12-13/02/1993	जन्म तिथि	15/09/1992
शुक्र-शनिवार	दिन	मंगलवार
घंटे 00:55:00	जन्म समय	09:31:00 घंटे
घटी 44:15:07	जन्म समय(घटी)	08:20:07 घटी
India	देश	India
Pathankot	स्थान	Aligarh
32:16:00 उत्तर	अक्षांश	27:54:00 उत्तर
75:43:00 पूर्व	रेखांश	78:04:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:27:08	स्थानिक संस्कार	-00:17:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:12:57	सूर्योदय	06:02:57
18:11:05	सूर्यास्त	18:22:21
23:45:57	चित्रपक्षीय अयनांश	23:45:36

तुला	लग्न	तुला
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
तुला	राशि	मेष
शुक्र	राशि-स्वामी	मंगल
विशाखा	नक्षत्र	अश्विनी
गुरु	नक्षत्र स्वामी	केतु
1	चरण	1
वृद्धि	योग	ध्रुव
बव	करण	विष्टि
ती-तीरथ	जन्म नामाक्षर	चू-चुन्नी
कुम्भ	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या
शूद्र	वर्ण	क्षत्रिय
मानव	वश्य	चतुष्पाद
व्याघ्र	योनि	अश्व
राक्षस	गण	देव
अन्त्य	नाड़ी	आद्य
सर्प	वर्ग	सिंह

कृष्णा एस्ट्रोलॉजिकल रिसर्च सेंटर
359-बी न्यू शास्त्री नगर पठानकोट
8872543398
vishwaksharma20@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

ग्रह	राशि	अंश
लग्न	तुला	13:41:48
सूर्य	सिंह	28:48:18
चंद्र	मेष	03:15:30
मंगल	मिथु	07:53:25
बुध	सिंह	28:48:47
गुरु	कन्या	00:46:51
शुक्र	कन्या	24:01:18
शनि व	मक	18:49:59
राहु व	धनु	02:22:33
केतु व	मिथु	02:22:33
हर्ष व	धनु	20:18:35
नेप व	धनु	22:27:51
प्लूटो	तुला	26:58:58

विंशोत्तरी	अंश	राशि
गुरु 15वर्ष 9मा 20दि	26:44:31	तुला
शनि	00:20:09	कुंभ
04/12/2008	20:09:38	तुला
05/12/2027	14:56:57	मिथु व
शनि 08/12/2011	15:07:38	कुंभ
बुध 17/08/2014	20:34:57	कन्या व
केतु 26/09/2015	14:44:56	मीन
शुक्र 26/11/2018	27:32:35	मक
सूर्य 08/11/2019	24:23:35	वृश्चि व
चन्द्र 08/06/2021	24:23:35	वृष व
मंगल 18/07/2022	26:21:30	धनु
राहु 24/05/2025	26:09:07	धनु
गुरु 05/12/2027	01:41:59	वृश्चि

विंशोत्तरी	
केतु 5वर्ष 3मा 14दि	
चन्द्र	
30/12/2023	
30/12/2033	
चन्द्र	30/10/2024
मंगल	31/05/2025
राहु	30/11/2026
गुरु	31/03/2028
शनि	30/10/2029
बुध	31/03/2031
केतु	30/10/2031
शुक्र	30/06/2033
सूर्य	30/12/2033

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : माध्य

23:45:57 चित्रपक्षीय अयनांश 23:45:36

लग्न-चलित

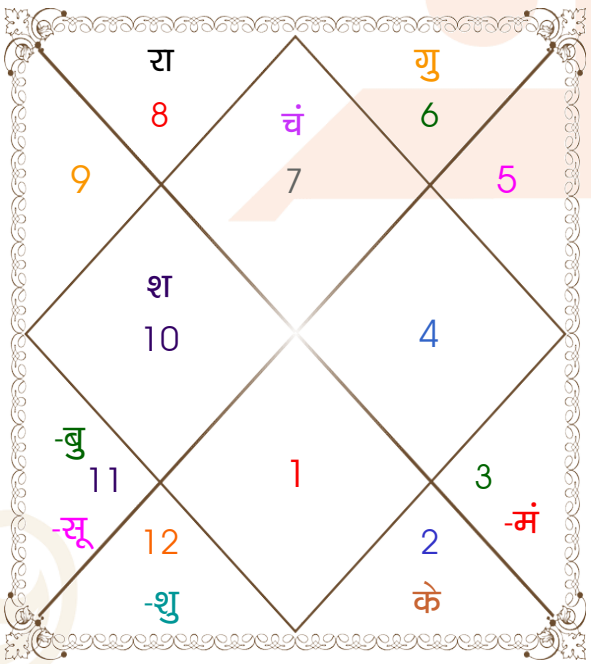

लग्न-चलित

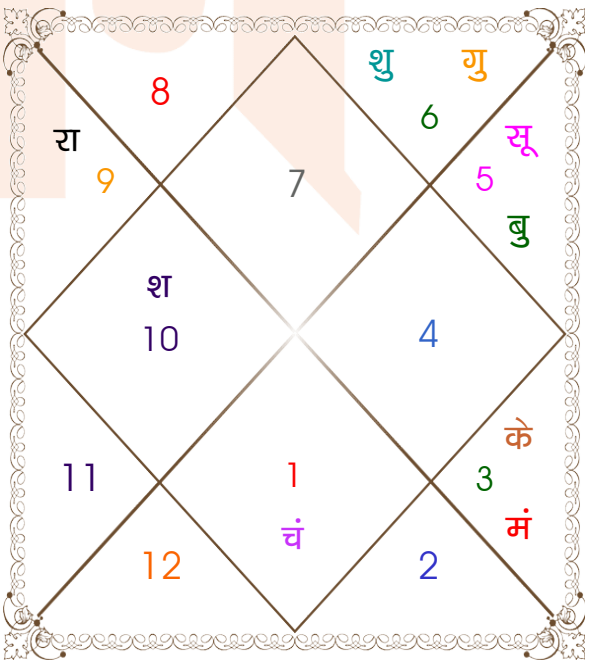

कृष्णा एस्ट्रोलॉजिकल रिसर्च सेंटर
359-बी न्यू शास्त्री नगर पठानकोट
8872543398
vishwaksharma20@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	अश्व	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	मंगल	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	22.50		

कुल : **22.5 / 36**

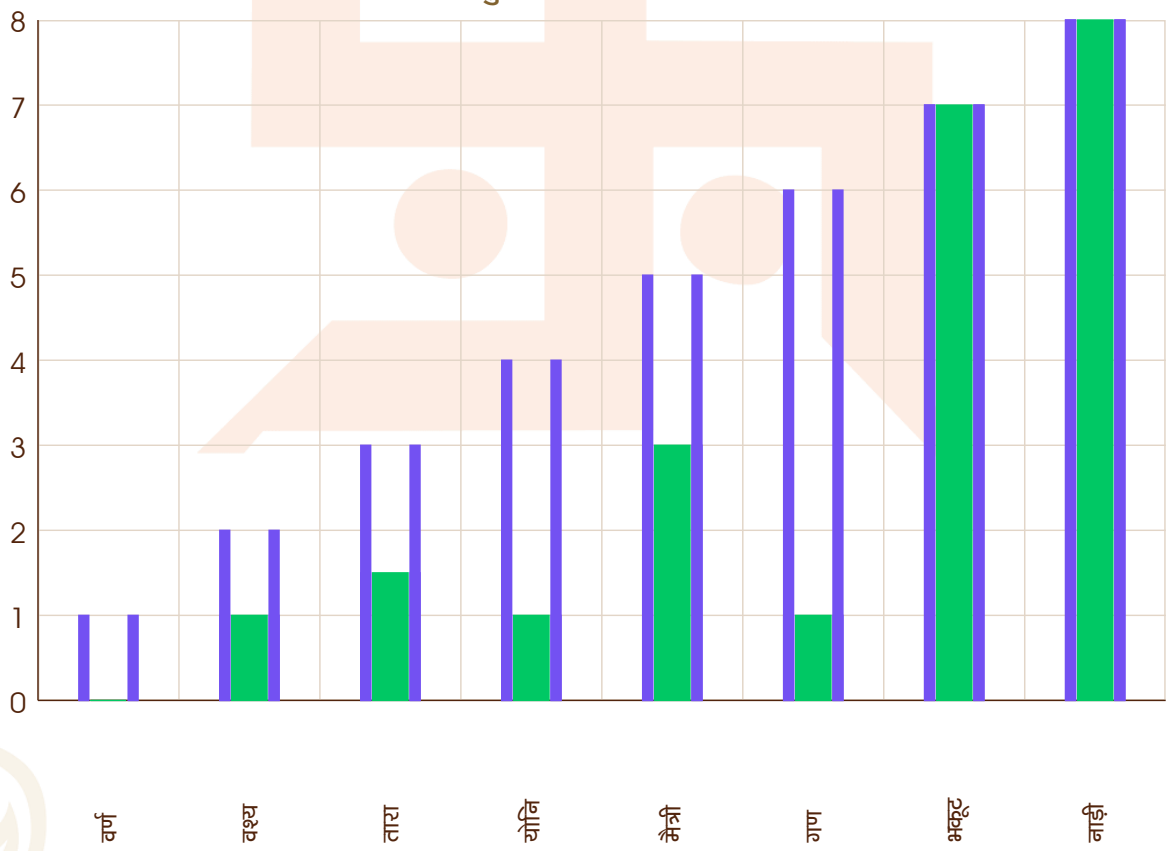

कृष्णा एस्ट्रोलॉजिकल रिसर्च सेंटर
359-बी न्यू शास्त्री नगर पठानकोट
8872543398
vishwaksharma20@gmail.com

अष्टकूट मिलान

Sahil Chawala का वर्ग सर्प है तथा त्कीपां डंकंद का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Sahil Chawala और त्कीपां डंकंद का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Sahil Chawala मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है एवं चन्द्र से भी मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल चन्द्र कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

त्कीपां डंकंद मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है एवं चन्द्र से भी मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल चन्द्र कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

Sahil Chawala तथा त्कीपां डंकंद में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Sahil Chawala का वर्ण शूद्र है तथा त्कीपां डंकंद का वर्ण क्षत्रिय है। इसमें त्कीपां डंकंद का वर्ण Sahil Chawala के वर्ण से नीचा नहीं है अतः यह मिलान उत्तम मिलान नहीं है। जिसके कारण त्कीपां डंकंद अति वर्चस्वशाली होगी तथा सिर्फ आज्ञा देने वाली होगी। दोनों के बीच सदैव संघर्ष एवं तर्क-वितर्क का दौर चलता रह सकता है तथा दोनों के बीच कभी-कभी मार-पीट भी हो सकती है। त्कीपां डंकंद का आक्रामक व्यवहार परिवार के सभी सदस्यों का जीना दूभर कर सकता है। परिवार में सुख-शान्ति की स्थापना के लिए Sahil Chawala को उसकी हर बात माननी होगी तथा गुलाम की भाँति रहना पड़ेगा।

वश्य

Sahil Chawala का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं त्कीपां डंकंद का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि जानवर एवं मनुष्य के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद अलग-अलग होते हैं फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में जीवन व्यतीत करते हैं। फलस्वरूप Sahil Chawala एवं त्कीपां डंकंद दोनों प्रेम एवं सौहार्द के साथ एक-दूसरे के साथ जीवन व्यतीत कर सकेंगे। त्कीपां डंकंद अपने पति की हर आज्ञा शिरोधार्य करेगी तथा बदले में Sahil Chawala अपनी पत्नी की देखभाल करेगा तथा उसे प्रेम प्रदान करेगा।

तारा

Sahil Chawala की तारा वध तथा त्कीपां डंकंद की तारा क्षेम है। Sahil Chawala की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Sahil Chawala बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं भोग-विलास की आदतों का शिकार हो सकता है। Sahil Chawala को शराब एवं ड्रग की लत लग सकती है किंतु त्कीपां डंकंद लगातार उसकी भलाई के उद्देश्य से उसे सुधारने का प्रयास करती रहेगी। इस प्रकार उसके अच्छे प्रयासों का परिणाम सार्थक हो सकता है।

योनि

Sahil Chawala की योनि व्याघ्र है तथा त्कीपां डंकंद की योनि अश्व है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग-अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी- कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं कलेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना का अभाव ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है।

कभी-कभी धनहानि होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Sahil Chawala एवं त्कीपां डंकंद दोनों के राशि स्वामी परस्पर सम हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से औसत मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यह मिलान औसत माना जायेगा। इसके कारण जीवन एवं करियर में हमेशा उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों के बीच प्रेम एवं सहयोग का माहौल रहेगा किंतु यदा-कदा आपस में ये लड़ाई-झगड़ा भी कर सकते हैं। हालांकि ये जल्दी ही अपने झगड़े को भुलाकर समझौता भी कर लेंगे तथा जीवन पथ पर आगे बढते रहेंगे। सफलता पाने के लिए इनको अथक परिश्रम एवं उद्यम करना पड़ सकता है।

गण

Sahil Chawala का गण राक्षस तथा त्कीपां डंकंद का गण देव है। अर्थात त्कीपां डंकंद का गण Sahil Chawala के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण Sahil Chawala निर्दयी, कठोर, निष्ठुर एवं झगड़ालू हो सकते हैं। साथ ही Sahil Chawala का त्कीपां डंकंद के साथ क्रूर व्यवहार करने की संभावना बनी रह सकती है। पति-पत्नी, अक्सर कुत्ते-बिल्लियों की भांति झगड़ा कर सकते हैं एवं परिवार में अक्सर अशांति का माहौल बना रहेगा। त्कीपां डंकंद हमेशा हर कदम पर समझौता करने की कोशिश करती रहेगी ताकि दोनों का संबंध बना रहे।

भकूट

Sahil Chawala एवं त्कीपां डंकंद की राशियां एक दूसरे से सम सप्तक (1/7) हैं। जिसके कारण इस मिलान को अति उत्तम मिलान माना जाता है। ज्योतिष की दृष्टि से यह मिलान अति शुभ है तथा Sahil Chawala व त्कीपां डंकंद को शांति, सुख, सौभाग्य, समृद्धि, योग्य संतान एवं चतुर्दिक विकास के अवसरसमय-समय पर मिलते रहेंगे। साथ ही दोनों के बीच असीम प्यार बना रहेगा तथा दोनों हर कार्य में एक-दूसरे की मदद करते रहेंगे।

नाड़ी

Sahil Chawala की नाड़ी अन्त्य है तथा त्कीपां डंकंद की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह समन्वय शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ को संतुलित करता है। Sahil Chawala की अन्त्य नाड़ी तथा त्कीपां डंकंद की आद्य नाड़ी होने के कारण उत्तम स्वास्थ्य, सम्पत्ति, सत्ता, शक्ति एवं दम्पत्ति के पारस्परिक प्रेम एवं सहयोग समय-समय पर मिलता रहेगा। आपकी संतान अति भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं शक्ति संपन्न होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Sahil Chawala की जन्म राशि वायुतत्व युक्त तुला तथा त्कीपां डंकंद की राशि अग्नि तत्व युक्त मेष राशि है। वायु एवं अग्नि की परस्पर मित्रता के कारण Sahil Chawala और त्कीपां डंकंद के मध्य स्वभावगत समानताएं रहेंगी तथा दाम्पत्य संबधों में भी मधुरता होगी जिससे इनका वैवाहिक जीवन अच्छा रहेगा। अतः मिलान शुभ रहेगा।

Sahil Chawala की राशि का स्वामी शुक्र तथा त्कीपां डंकंद की राशि का स्वामी मंगल परस्पर समराशियों में स्थित है। अतः इसके प्रभाव से Sahil Chawala और त्कीपां डंकंद का गृहस्थ सुख अच्छा रहेगा। साथ ही एक दूसरे के प्रति मन में प्रेम सहयोग एवं समर्पण का होगा। ये सदगुणों की आपस में प्रशंसा करेंगे तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे जिससे परस्पर संबधों की मधुरता में वृद्धि होगी परन्तु यदा कदा आपस में उदासीनता के भाव का भी प्रदर्शन करेंगे लेकिन इसका सुखी वैवाहिक जीवन पर कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा।

Sahil Chawala और त्कीपां डंकंद की राशियां परस्पर सप्तम से सप्तम भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना गया है। इसके प्रभाव से परस्पर संबधों में प्रगाढ़ता रहेगी तथा सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर होंगे। एक दूसरे के आस्तित्व का ये पूर्ण सम्मान करेंगे तथा समानता के सिद्धांतो पर ही व्यवहार भी करेंगे जिससे वैवाहिक जीवन में मधुरता बनी रहेगी।

Sahil Chawala का वश्य मानव तथा त्कीपां डंकंद का वश्य चतुष्पद है। नैसर्गिक रूप से मानव तथा चतुष्पद में असमानता तथा शत्रुता का भाव विद्यमान रहता है। अतः इसके प्रभाव से Sahil Chawala और त्कीपां डंकंद की अभिरूचियों में अंतर रहेगा तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी विषमता रहेगी फलतः दाम्पत्य संबधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे।

Sahil Chawala का वर्ण शूद्र तथा त्कीपां डंकंद का वर्ण क्षत्रिय है। अतः इनकी कार्य क्षमताओं में असमानता होगी । Sahil Chawala की प्रवृति किसी भी कार्य को ईमानदारी तथा परिश्रम पूर्वक करने की रहेगी तथा त्कीपां डंकंद साहसिक तथा पराक्रमी कार्यो को करने में रूचिशील होंगी।

धन

Sahil Chawala और त्कीपां डंकंद दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

Sahil Chawala की नाड़ी अन्त्य तथा त्कीपां डंकंद की नाड़ी आद्य है। अतः दोनों की नाड़ियां अलग अलग होने के कारण दोनों शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे तथा अपने सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को यथा समय सम्पन्न करने में समर्थ होंगे। जिससे दाम्पत्य जीवन में समृद्धि तथा प्रसन्नता बनी रहेगी। साथ ही मंगल का दुष्प्रभाव भी किसी के स्वास्थ्य पर नहीं रहेगा जिससे उत्तम दाम्पत्य जीवन की दृष्टि से यह मिलान उत्तम रहेगा तथा सुख एवं आनंद पूर्वक Sahil Chawala और त्कीपां डंकंद अपना जीवन व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से यह मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से Sahil Chawala और त्कीपां डंकंद को उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगा तथा कन्या संतति की अपेक्षा पुत्र संतति अधिक रहेगी।

प्रसव संबंधी कष्ट के लिए आप को किसी भी प्रकार की चिन्ता करने की आवश्यकता नहीं है। इनका प्रसव सामान्य रूप से सम्पन्न होगा तथा इससे संबधित कोई भी समस्या नहीं होगी। त्कीपां डंकंद सुदंर एवं स्वस्थ बच्चों को जन्म देंगी तथा स्वयं भी पूर्ण रूपेण स्वस्थता की अनुभूति करेंगी। इससे Sahil Chawala और उसके परिवार के सभी सदस्य प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।

Sahil Chawala और त्कीपां डंकंद की संततियां व्यवहारकुशल एवं माता पिता के लिए आज्ञाकारी रहेंगी तथा अपने बच्चों की प्रगति से दोनों सन्तुष्टि एवं आनंद की अनुभूति करेंगे। साथ ही कार्य क्षेत्र में भी वे स्वपरिश्रम योग्यता एवं बुद्धिमत्ता से उन्नति के मार्ग पर अग्रसर होंगे। उनके उत्कृष्ट कार्य कलापों से Sahil Chawala और त्कीपां डंकंद अपने आप को भाग्यशाली समझेंगे। इनकी संततियां कभी भी उनकी इच्छा के विपरीत कोई भी कार्य नहीं करेंगी जिससे माता पिता को उन पर गर्व रहेगा। इस प्रकार सुदंर, आज्ञाकारी एवं बुद्धिमान संतति से युक्त होकर Sahil Chawala और त्कीपां डंकंद का पारिवारिक जीवन सुख शांति एवं आनंद से व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

त्कीपां डंकंद के सास से संबधों में मधुरता के भाव की सामान्यतया न्यूनता ही रहेगी तथा अपनी सास के साथ सामंजस्य स्थापित करने में उनको काफी कठिनाई तथा असुविधा का सामना करना पड़ेगा। अतः उनसे संबधों में मधुरता लाने के लिए त्कीपां डंकंद को धैर्य तथा बुद्धिमता का परिचय देना चाहिए तथा अपने समस्त कार्य कलापों को सक्रियता से सम्पन्न करना चाहिए।

साथ ही ससुर से भी त्कीपां डंकंद को समय समय पर समस्याएं उत्पन्न होगी

तथा उन्हें प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में उन्हें कठिनाई का सामना करना पड़ेगा। ननद एवं देवरों से भी त्कीपां डंकंद के संबधों में तनाव का भाव रहेगा तथा एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सहानुभूति के भाव में न्यूनता रहेगी फलतः परस्पर प्रतिद्वन्दिता एवं आलोचना का भाव रहेगा।

इस प्रकार त्कीपां डंकंद का ससुराल के लोगों से अच्छे संबध नहीं रहेंगे जिससे यदा कदा वे असुविधा की अनुभूति कर सकती हैं।

ससुराल-श्री

Sahil Chawala तथा सास के संबधों में विशेष मधुरता का भाव नहीं रहेगा तथा आयु में काफी अंतर होने के कारण दोनों के मध्य वैचारिक मतभेद रहेंगे लेकिन इनमें अधिक गंभीरता नहीं रहेगी। यदि Sahil Chawala तथा इनकी सास आपसी सामंजस्य तथा बुद्धिमता से व्यवहार करें तो संबधों की मधुरता में वृद्धि हो सकती है।

लेकिन ससुर के साथ में Sahil Chawala के संबध मधुर रहेंगे तथा उनके प्रति मान सम्मान तथा श्रद्धा का भाव रहेगा। साथ ही उनसे पिता के समान ही व्यवहार करेंगे। साथ ही वे भी Sahil Chawala को पुत्रवत स्नेह तथा वात्सल्य प्रदान करेंगे। Sahil Chawala समय समय पर अपने ससुर से आवश्यक तथा बहुमूल्य सलाह तथा निर्देश भी प्राप्त करते रहेंगे परन्तु साले तथा सालियों के साथ में संबधों में तनाव तथा मतभेद रहेंगे तथा एक दूसरे के प्रति आलोचना तथा प्रतिद्वन्दिता का भाव रहेगा जिससे आपस में स्नेह सहयोग तथा सहानुभूति के भाव में न्यूनता रहेगी।

इस प्रकार सामान्य रूप से ससुरालवालों का दृष्टिकोण Sahil Chawala के प्रति अनुकूल ही रहेगा।